विश्व न्याय मन्दिर

8 फरवरी, 2013

विश्व के बहाईयों को

परम प्रिय मित्रगण

हमें इस बात की प्रसन्नता है कि पाँच वर्षीय योजना की प्रक्रियाएँ प्रत्येक आकार व सामर्थ्य के समुदायों में सेवा भाव जागृत कर रही हैं और सार्थक उद्देश्यपूर्ण कार्यों को प्रोत्साहित कर रही हैं। प्रतिदिन इस बात के उदाहरण मिल रहे हैं कि किस प्रकार, प्रत्येक हृदय को छूने के लिये उस तक पहुँचने का, आत्माओं को प्रभु के वचनों से परिचित कराने का और उन्हें समाज को बेहतर बनाने में योगदान देने के लिए आमंत्रित करने का कृत्य, समय के साथ, जनसमुदाय की उन्नति में सहायक हो सकता है। यह सामूहिक गमन तब प्रत्यक्ष होता है जब योजना के तत्वों को क्लस्टर व्यापी कुशल समन्वय वाले प्रयासों में सम्मिलित किया जाता है, जिसकी गत्यात्मकता तेजी से स्पष्ट होती जा रही है। इस तरह का क्लस्टर एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है, जिसमें अनुभवी अनुयायियों के साथ-साथ प्रभुधर्म का परिचय पाने वाले नए मित्रों को भी समान अवसर मिलता है, चाहे उनकी आयु या पृष्ठभूमि कुछ भी हो, कि वे साथ-साथ कार्य करें, एक दुसरे को सेवा कार्यों में सहभागिता दें, यह प्रत्येक व्यक्ति को योजना को लागू करने में भागीदारी के लिए समर्थ बनाता है।

दृढ़-संकल्प गतिविधियों में लगे बहाई जगत के परिदृश्य से एक अद्‌भुत प्रक्रिया विशेष रूप से आकृष्ट करती है वह है प्रत्येक महाद्वीप में युवाओं का निर्णयात्मक योगदान। इस अद्‌भुत प्रक्रिया में, ”प्रभुधर्म की भावी प्रगति और विस्तार“ में प्रिय धर्मसंरक्षक द्वारा युवाओं में व्यक्त की गई आशाओं की परिपुष्टि नज़र आती है। उस विश्वास की पुष्टि भी जिस विश्वास से प्रिय धर्मसंरक्षक ने ”युवाओं के कंधों पर सह-अनुयायियों की निःस्वार्थ सेवा की भावना को जागृत रखने का दायित्व“ सौंपा था। उन युवाओं की संख्या पर भी हम आश्चर्यचकित हैं, जो, बहाई समुदाय के साथ बहुत थोड़े समय के परिचय के बाद ही, अपने आपको अर्थपूर्ण सेवा-कार्यों में लगा लेते हैं और बड़ी तेजी़ से प्रभुधर्म के समुदाय-निर्माण के प्रयासों से आत्मीयता महसूस करते हैं। निश्चित रूप से हम बहाई युवा और उनके समान सोच रखने वाले युवा, जो अपने आसपास के लोगों, विशेषकर स्वयं से कम उम्र के युवाओं, के आध्यात्मिक और सामाजिक विकास में मदद

करने का उत्तरदायित्व वहन करने के लिए उनकी तत्परता के बारे में विचार कर आनन्दित हुए बग़ैर नहीं रह सकते। स्वार्थ के इस दौर में, जब आध्यात्मिक जुड़ाव भी पुरस्कार और व्यक्तिगत संतुष्टि के तराजू पर तौला जाता है, 15 वर्ष से 30 वर्ष तक के ऐसे युवाओं को निःस्वार्थ सेवा में लगे देखना वास्तव में मन को छूने वाला है -- वे जिन पर आक्रमक भौतिकवाद की दृष्टियाँ निशाना लगाये हैं -- जो बहाउल्लाह के विचारों से प्रेरित हैं और जो स्वयं की अपेक्षा दूसरों की जरुरतें पूरी करने को तत्पर हैं। यह कि ऐसे उच्च विचारों वाले युवा अपने प्रयासों के बल से, साथ-साथ पूरे समुदाय को प्रदत्त अपनी ऊर्जा से, सभी जगह चल रहे प्रयासों में अपने इतने प्रभावशाली योगदान दे रहे हैं, कि यह इन प्रयासों की अपेक्षित गतिवृद्धि के लिए, शुभ संकेत है।

निश्चित रूप से न केवल वर्तमान योजना के अंतिम वर्षों में, बल्कि रचनात्मक काल की पहली शताब्दी के शेष वर्षों की उपलब्धियाँ पिछले दो वर्षों के दौरान प्राप्त उपलब्धियों को कहीं अधिक पार कर जायेंगी। इस शक्तिसम्पन्न उद्यम के उत्साहन के लिये तथा और इस तेजी से सिमट रहे अन्तराल में पूरी तरह अपनी ज़िम्मेदारियों के निर्वहन के लिए, आज के युवाओं का आह्वान करते हुए हम जुलाई से अक्टूबर माह के बीच विश्व के विभिन्न स्थानों पर 95 युवा सम्मेलनों के आयोजन की घोषणा करते हैं: एकरा, अदीस अबाबा, ऑगस्किलिंटेस, अलमाटी, एंताननरिवो, ऐपिया, अटलांटा, ऑकलैण्ड, बाकू, बंगलौर, बांगुई, बरदिया, बैटमबैंग, भोपाल, भुवनेश्वर, बोस्टन, ब्राज़ीलिया, ब्रिजटाडन, बुकावु, कैली, कैनोआस, कोर्टेजेना, डि इंडियास, चैन्नई, चिबोंबो, शिकागो, चिसिनों, कोचांबा, डाइगनाव, डायार, डलास, डैनान, दारूस्लाम, ढाका, डेनि प्रो पेत्रोवस्क, दरहाम (अमेरिका) फ्रैंकफर्ट, गुवाहटी, हेलसिंकी, इस्तांम्बुल (2), जकार्ता, जोहान्सबर्ग बजे, कदुगनावा, कम्पाला, कनंगा, कराची, स्बुजंद, किंशास, कोलकाता, कुचिंग, ला, लिमा, लंदन, लुबुम्बाशी, लखनऊ, मकाऊ, मैंड्रिक, मनीला सातुब्राण्डा सॉय, मौरक्को, अविनी लुंगा, म्ज़ुज़ू, नादी, नैरोबी, नई दिल्ली, ऑकलैंड, ओरावलो, युआगावुगू, पंचगनी, पेरिस, पटना, पर्थ, फीनिक्स, पोर्ट-ओ-प्रिंस, पोर्ट डिम्सन, पोर्ट मोर्सबी, पोर्ट विला, सैन डियागो, सैन जोस (कोस्टारिका), सैन जोस सिटी (फ़िलीपींस), सेन साल्वाडोर, सेटियागो, सैपेल, सारह, सेबरेंग पेराप, साउथ टारावा, सिडनी, तबिलिसी, थायलो, टिराना, टोंरटो, उलानबातार, बैकुंवर, वेरोना और याउंडे में ये सम्मेलन होंगे। हम इन सम्मेलनों में उन सभी युवाओं को आमंत्रित करते हैं जो इस योजना की पद्धतियों और साधनों को, एक बेहतर समाज

के निर्माण की ओर गमन का सशक्त माध्यम मानते हैं। साथ ही, सभी आयु के बहाईयों से हम प्रतिभागियों के लिए, जिनके प्रयासों पर बहुत कुछ निर्भर करता है, हार्दिक समर्थन आमंत्रित करते हैं।

प्रिय मित्रों, युवा अनुयायियों की प्रत्येक पीढ़ी के समक्ष मानवजाति के भविष्य के लिए योगदान करने का एक अवसर आता है, जो उनके जीवन काल के संदर्भ में अद्वितीय होता है। वर्तमान पीढ़ी के लिए वह समय आ गया है जब वे विचार करें, प्रतिज्ञाबद्ध हों, स्वयं को सेवामय जीवन में समर्पित कर देने के लिए, जिससे प्रचुरता में आशीष प्रवाहित होंगे। पावन देहरी पर अपनी प्रार्थनाओं में हम ”प्राचीनतम सौन्दर्य“ से निवेदन करेंगे कि वे पथ से विचलित और दिग्भ्रमित मानवजाति के बीच से, वे स्पष्ट दृष्टि वाली पवित्र आत्माओं को स्त्राव करें: ऐसे युवा जिनकी निष्ठा और ईमानदारी दूसरों के दोषों पर ध्यान केन्द्रित करके कमज़ोर नहीं पड़ती, और जो अपनी स्वयं की कमियों के कारण गतिहीन नहीं होते; ऐसे युवा जो मार्गदर्शन के लिए ”मास्टर“ की ओर उन्मुख होंगे तथा ”उन लोगों को अन्तरंग मित्रों के दायरे में लायेंगे जो बाहर कर दिये गये हैं”; ऐसे युवा, जिनकी, समाज की असफलताओं की समझ उन्हें इसके परिवर्तन की दिशा में काम करने को प्रेरित करेगी, न कि इससे पलायन करने को; ऐसे युवा जो किसी भी कीमत पर, असमानता के हर रूप को अस्वीकार करेंगे और हर सम्भव प्रयास करेंगे कि “न्याय का प्रकाश पूरी पृथ्वी पर अपनी कांति फैलाए।”

-विश्व न्याय मन्दिर